डेल्टा (Δ): नदी व्यवस्था का एक अनोखा क्षेत्र

श्री वाई.आर. सत्याजी राव वैज्ञानिक सी
तथा
श्री पी.वी.एन. राव वरिष्ठ शोध सहायक

नदी के मुख द्वार पर अवसाद से जमा हुए प्रांत को डेल्टा कहते है । मैक-ग्राहिल बृहद शब्दकोश (Mc-growhill Encyclopedia) के अनुसार 500 वर्ष इसा-पूर्व (500 B.C.) में नील नदी डेल्टा को सूचित करने के लिए (Δ) संकेत का प्रयोग किया गया है । दुनिया कि बड़े बड़े शहर और कस्बे डेल्टाई क्षेत्रों में ही विकसित हुए । डेल्टा एक अनोखा क्षेत्र है जिसमें नदी का पानी और समुन्द्र के पानी का संगम होता है । ये संगम जमीन के ऊपर एवं नीचे समान रूप से होता है। अतः भूपृष्ट जल और भूजल दोनों ही परस्पर मिलते रहते हैं । अनुमानतः दुनिया में लगभग 150 नदियों के मुखद्वार पर डेल्टा बना हुआ है । आवश्यक नही कि सभी नदियो में डेल्टा बनता ही हो । परन्तु हिन्दुस्तान में गंगा, महानदी, गोदावरी, कृष्ण, कावेरी आदि मुख्य डेल्टा क्षेत्र है और ये सब भारत के पूर्वी तट पर ही बने हुए हैं ।

प्राचीन काल से डेल्टा को मानव जीवन के लिये एक सुरक्षित प्रांत माना जाता था । आबादी में बढोत्तरी, कई तरह के विकास कार्यक्रम, जलवायु में परिवर्तन और अधिक मात्रा में सिंचाई आदि कार्यक्रम के वजह से डेल्टाई क्षेत्रों में पर्यावरण को खतरा पहुंच रहा है । नदी के ऊपरी भाग का जलग्रहण क्षेत्र और डेल्टाई क्षेत्र होने से टोपोग्राफी के अनुसार अलग-अलग दिखाई देते हैं । यानी नदी एवं जमीन के मध्य अल्प प्रवणता, नदी जल-स्तर पर लहरों का प्रभाव और लवणीय जल का नदी में मिलना, नदी के किनारों में हो रहे लगातार परिवर्तन इत्यादि से डेल्टा प्रान्त अलग से दिखता है ।

यह देखा जाता है कि डेल्टा के कुछ क्षेत्रों में मानवीय दखलांदाजी के कार्यक्रम का असर उसी क्षेत्र के दूसरे भागों में पड़ता है । बाढ़ का प्रकार, शुष्क काल प्रवाह, लवणीय जल का भूजल और भूपृष्ठ जल में अतिक्रमण, मिट्टी का अपरदन, अवसादन और समुद्री तूफान का प्रभाव आदि प्राकृतिक विषय डेल्टाई क्षेत्र के जलविज्ञानीय पद्धति (Hydrological Process) के प्रकृति को नियंत्रित करते हैं ।

छोटे-छोटे द्वीपों में बने हुए मछुआरों (Fishermen) की झोपड़ियों, नदी के तट पर हिलते हुए नारियल के पेड़, चारों तरफ फ़ैली हरियाली, डेल्टा क्षेत्र को अति सुन्दर एवं मनमोहक बनाते है । जो लोग डेल्टा प्रान्त अभी तक देख नहीं सके हैं, उनको डेल्टा के बारे में ठीक से समझ में नहीं आयेगा । आईये एक बार बरसात कि मौसम में डेल्टा देखने चलें । डेल्टा पर्यावरण की रक्षा के लिये कुछ योजना बनायें ।